



माँ दुर्गा ज्वेलर्स

सोने एवं चांदी के आभूषणों के विक्रेता

उचित व्याज में गिरवी रखी जाती है।

शॉप नं.-69, सी-नाकैट, सेक्टर-6, भिलाई

मो.-9424124911

खास-खबर



एक दर्जन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नोएडा। में सोमवार को करीब एक दर्जन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। सूचना मिलते ही पुलिस, बम डिस्पोजल स्क्वाड, डॉग स्कॉड और अग्निशमन विभाग की टीमों मौके पर पहुंच गईं। सभी टीमों स्कूल परिसरों की जांच में जुट गईं। सुरक्षा के मद्देनजर स्कूलों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता लगाया जा सके। घटना के बाद स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस धमकी मिलने के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। पिछलाहल जांच के बाद ही धमकी की वास्तविकता और उससे जुड़े तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी।

2 दिन मौसम ड्राई, फिर हल्की बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की विदाई



के साथ ही मौसम का मिजाज बदल गया है। प्रदेश में बारिश की एक्टिविटी थमने से अब दिन के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है और गर्मी और उमस का असर बढ़ने लगा है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेशभर में मौसम ड्राई रहा, हालांकि एक-दो जगहों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक प्रदेश में मौसम ड्राई रहने की संभावना है, जिसके बाद कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले 24 घंटों में प्रदेश में सबसे अधिकतम तापमान 34 डिग्री राजनंदगांव में दर्ज किया गया, जहां दिन में सबसे ज्यादा गर्मी रही। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.8 डिग्री अम्बिकापुर में दर्ज किया गया, जिससे वहां रातों में हल्की ठंडक महसूस की जा रही है।

रायपुर में कार्टून फेस्टिवल कल, सीएन साय करेंगे उद्घाटन

रायपुर। राजधानी रायपुर में 13 अक्टूबर को कार्टून फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम एक निजी होटल में होगा। इसके मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे, जबकि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। मिली जानकारी के अनुसार फेस्टिवल में मुख्यमंत्री सांकेतिक कार्टून बनाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में कई राजनीतिक हस्तियां शामिल होंगी। इस मौके पर पुराने कार्टूनिस्ट और पत्रकार अपने अनुभव साझा करेंगे।

शिक्षक-मर्ती और सीजीपीएससी-2025 परीक्षा टलने पर युवाओं का फूटा गुस्सा, बिलासपुर में प्रदर्शन

■ बिलासपुर में नाराज अभ्यर्थियों ने निकाला कैंडल-मार्च

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षक भर्ती परीक्षा और सीजीपीएससी-2025 की परीक्षा पर रोक लगने के बाद बिलासपुर में प्रतियोगियों का गुस्सा फूट पड़ा। वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं ने रविवार की रात गांधी चौक पर कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। युवाओं ने परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए जल्द नई तारीख घोषित करने की मांग की। उनका कहना है कि भर्ती और परीक्षा प्रक्रिया में लगातार हो रही

श्रीकंचनपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

वर्ष- 17 अंक - 359 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 12 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

पहाड़ियों में स्थित मां कोसगाई दाई को नहीं चाहिए सिर पर छत, चूनर और ध्वज ही काफी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। पहाड़ियों में स्थित मां कोसगाई दाई का मंदिर अपने ऐतिहासिक महत्व, अनूठी परंपराओं और लोककथाओं के कारण अलग पहचान बनाए हुए है। यहां माता को लाल नहीं बल्कि सफेद ध्वज चढ़ाया जाता है। मंदिर की दूसरी खासियत यह है कि मंदिर में छत नहीं है। मान्यता है कि माता को छत पसंद नहीं, जब भी कोशिश हुई छज्जा अपने आप गिर गया।

मंदिर के पुजारी ने बताया कि उनके पूर्वज पीढ़ियों से यहां सेवा करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि माता खुले आकाश के नीचे विराजमान हैं। पूर्वजों के अनुसार मंदिर पर छज्जा बनाने के कई बार प्रयास किए गए, लेकिन हर बार वह किसी न किसी कारण से गिर जाता था। इसी वजह से आज भी माता खुले आकाश के नीचे विराजमान हैं। नवरात्रि के दिनों में माता के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से पहुंचते हैं।



धार्मिक आस्था का केन्द्र

धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक दुर्ग, सफेद ध्वज की अनूठी परंपरा और लोककथाओं से जुड़ा मां कोसगाई दाई का दरबार कोरबा और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नवरात्रि के दौरान यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह स्थल भक्ति के साथ-साथ इतिहास और लोकसंस्कृति से जुड़ने का भी अवसर प्रदान करता है।

घने जंगल और ऊंची पहाड़ी

जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित कोसगाईगढ़ प्राकृतिक सुंदरता से घिरा हुआ है। चारों ओर फैले घने जंगल, ऊंची पहाड़ियां और प्राचीन दुर्ग के अवशेष इस क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन और ऐतिहासिक अध्ययन, दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण बनाते हैं। कठिन चढ़ाई के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं।

रायपुर से बस्तर के रावघाट तक जल्द दौड़ेगी ट्रेन, रेलवे द्वारा टाइम-टेबल जारी

पहली बार रावघाट तक पहुंचेगी ट्रेन, भिलाई स्टील प्लांट के लिए मील का पत्थर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट की लाइफ लाइन रावघाट परियोजना के तहत रेल लाइन का पूरा हो चुका है। सेप्टी जांच व ट्रायल रन की सफलता के बाद अब जल्द ही इस ट्रेक पर रेल गाड़ी दौड़ने लगेगी। गूड्स ट्रेन के साथ ही यात्री ट्रेन के परिचालन को स्वीकृति मिल गई है। इस ट्रेक पर सोमवार यानी 12 अक्टूबर से ही यात्री ट्रेन का संचालन शुरू होना था। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का दौरा रह होने के कारण इसे टाल दिया गया है। जल्द ही इसकी नई तारीख सामने आएगी और यात्री ट्रेन शुरू हो जाएगा।

बाता दें रावघाट रेल परियोजना का प्रस्ताव 2007 में रखा गया था। 24 दिसंबर 2007 को एनएमडीसी सेल, छत्तीसगढ़ सरकार और रेलवे के बीच इसके लिए त्रिपक्षीय संयुक्त समझौता



हुआ था। बस्तर संभाग में अब तक रेलगाड़ी केवल कांकेर जिले के ताड़ोंकी तक ही दौड़ रही थी, लेकिन अब जल्द ही इससे 17 किलोमीटर आगे रावघाट तक ट्रेन का संचालन शुरू होने जा रहा है। दल्लीराजहरा से रावघाट के लिए वर्ष 2011 में शुरू हुआ रेल लाइन का काम अब पूरा हो चुका है। इसके साथ ही जगदलपुर तक ट्रेन पहुंचने में अब केवल 140 किलोमीटर का हिस्सा शेष रह गया

इंतजार है। इस रूट पर 12 अक्टूबर से नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाई जानी थी, लेकिन रेल मंत्री का दौरा रद्द होने के कारण इसमें कुछ और समय लग सकता है। रावघाट तक ट्रेन पहुंचने से इस पूरे सुदूर वनांचल क्षेत्र की तस्वीर बदलने की उम्मीद है।

रावघाट से जगदलपुर रेल लाइन का काम शुरू

रावघाट से जगदलपुर के बीच रेल लाइन निर्माण के लिए भी प्रक्रिया तेजी से शुरू हो चुकी है। यह रेल लाइन भिलाई स्टील प्लांट के लिए लौह अयस्क की आपूर्ति के लिाहाज से महत्वपूर्ण है। विदित हो कि रायपुर से जगदलपुर की कुल दूरी लगभग 300 किलोमीटर है। इस बहुप्रतीक्षित रेल सेवा के शुरू होने से स्थानीय कृषि उपज, वनोपज और व्यापार को एक बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

बड़ा हादसा टला : 100 फीट ऊंचा स्ट्रीट लाइट पोल गिरा, बाल-बाल बचा हाइड्रा चालक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। शहर के मध्य स्थित घंटाघर मैदान में बड़ा हादसा होते-होते टल गया। करीब 100 फीट ऊंचा स्ट्रीट लाइट का खंभा शिफ्ट करते समय अचानक गिर गया। इस दौरान हाइड्रा मशीन सहित वाहन पलट गया। गनीमत रही कि चालक बाल-बाल बच गया। घटना के दौरान मौके पर हड़कंप मच गया। वहां मौजूद लोग भी बाल-बाल बचे, नहीं तो बड़ी घटना घट सकती थी।

बताया जा रहा है कि नगर निगम द्वारा घंटाघर मैदान में हाई मास्ट स्ट्रीट लाइट लगाया गया था। आंधी-तूफान आने पर यह खंभा हिलने लगा था और कभी भी बड़ी घटना घट सकती थी। इसे देखते हुए बगल में एक और स्ट्रक्चर तैयार कर खंभा शिफ्ट किया जा रहा था। इसी दौरान यह घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार पहले से लगे स्ट्रीट लाइट खंभे की लाइटों को नीचे उतारा गया, उसके बाद दूसरे स्ट्रक्चर पर शिफ्ट किया जा रहा था।

अरविंद केजरीवाल पर केस : दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी ने कराई एफआईआर, साथियों के भी नाम

नईदिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत आप नेताओं और विधायकों के खिलाफ दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी की शिकायत पर रद्दक्रादर्ज की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गुरुद्वारा बंगला साहिब परिसर में हंगामा किया गया और उसके बाद गुमराह करने वाले वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट फैलाए गए। पुलिस ने कहा कि जांच के तहत साँपे गए वीडियो फुटेज की जांच की जा रही है।

गुरुद्वारा बंगला साहिब में शनिवार को हुए घटनाक्रम को लेकर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने आम आदमी पार्टी (आप) पर गंभीर



आरोप लगाए हैं। कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह कालहों ने आरोप लगाया कि आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनके साथियों ने राजनीतिक कार्यकर्ताओं को भेजकर गुरुद्वारा परिसर में नारेबाजी करवाई। इस मामले में कमेटी ने नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त के पास केजरीवाल और उनके साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दुर्ग में सांड के हमले से पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही दो युवतियां घायल

दुर्ग। शहर में बेसहारा मवेशियों का आतंक लोगों के लिए खतरा बनता जा रहा है। नवरात्र के पहले दिन रविशंकर स्टेडियम से अभ्यास कर घर लौट रही पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही दो युवतियों पर सांड ने हमला कर दिया। पचरीपारा के पास हुई इस घटना में शिवपारा निवासी हिमानी यादव (21) और मिलपारा निवासी दीपिका देवांगन (20) घायल हो गईं। दोनों को उपचार के लिए दुर्ग जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, हिमानी और दीपिका पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही हैं। दोनों रोजाना की तरह रविशंकर स्टेडियम में अभ्यास करने के बाद घर लौट रही थीं। इसी दौरान पचरीपारा के पास सांड ने उन पर हमला कर दिया। हमले में हिमानी के सिर और हाथ में चोटें आई हैं, जबकि दीपिका के कमर, नाक, सिर और हाथ में चोट लगने की जानकारी मिली है।

छत्तीसगढ़ के गन्ना किसानों को 51 करोड़ का बोनस

■ प्रदेश के 31 हजार से ज्यादा गन्ना किसानों को मिलेगा लाभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के गन्ना किसानों को नवरात्रि से पहले बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने गन्ना बोनस की गणना का आधार 355 से बढ़ाकर 425 प्रति क्विंटल कर दिया है। इस



निर्णय से पेराई सत्र 2025-26 में प्रदेश के चारों सहकारी शक्कर कारखानों को गन्ना आपूर्ति करने वाले 31,022 किसानों को लगभग 51.09 करोड़ की बोनस राशि प्राप्त होगी।

इंडिया ब्लॉक के नेताओं से वयों नहीं मिले सीजेआई, बताई वजह



अनुरोध मिला था। उन्होंने उसी रात पत्र का जवाब दिया और उसमें उन कारणों को बताया सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे हर किसी के लिए खुले हैं। कोई भी आम नागरिक या निर्वाचित जनप्रतिनिधि अदालत में याचिका दाखिल कर सकता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत तक पहुंचने का अधिकार हर भारतीय नागरिक को है। सीजेआई ने कहा कि अदालत लोगों की चिंताओं को सुनेगी और कानून के तहत जो भी उचित होगा, वह राहत दी जाएगी। उनके मुताबिक, अदालत में अपनी बात रखने के लिए किसी भी भारतीय नागरिक को अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। इस तरह उन्होंने मुलाकात के अनुरोध से अलग अदालत में याचिका दाखिल करने के अधिकार पर जोर दिया।

सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा के 14,961 किसानों को लगभग 24.55 करोड़ तथा सरदार पटेल सहकारी शक्कर कारखाना, पंडरिया के 8,049 किसानों को लगभग 11.68 करोड़ की बोनस राशि मिलेगी। इसी प्रकार महामाया सहकारी शक्कर कारखाना, केरता के 7,250 किसानों को लगभग 11.35 करोड़ और बालोद के 762 किसानों को लगभग 3.52 करोड़ का बोनस प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने इस अवसर पर प्रदेश के गन्ना किसानों को बधाई दी हैं। सहकारिता मंत्री ने कहा कि गन्ना बोनस में बढ़ोतरी से किसानों को लगभग उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यह निर्णय प्रदेश में गन्ना उत्पादन को प्रोत्साहित करने के साथ सहकारी शक्कर कारखानों से जुड़े किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करेगा।



● Unipoles / Hoarding

● Outdoor LED Screen

● Digital LED Television

● Train Wrap Branding

● Mobile LED Vehicle

● Social media Advt.

● News Paper advt.

● Branding consultancy

www.harshmediaadvertisers.com

info.harshmedia@gmail.com

harsh_media_advertisers

8253029444 | 8435918888

संपादकीय

सख्ती पर सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने कहा संवैधानिक आजादी की रक्षा हो

पिछले दिनों राजधानी दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों पर सरकार को सख्ती के उपरांत सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप यह बताता है कि कानून-व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर संविधान द्वारा नागरिकों को मिली आजादी का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। कोर्ट द्वारा हिरासत में रखे लोगों को रिहा करने, मेट्रो सेवाएं बहाल करने तथा इंटरनेट सुविधा यथाशीघ्र चालू करने का निर्देश देकर कोर्ट ने साफ संदेश देने का प्रयास किया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में एक मूलभूत अधिकार है, न कि सरकार द्वारा दी गई सुविधा। उल्लेखनीय है कि गत दस अक्तूबर को कॉकरोच

“ उल्लेखनीय है कि गत दस अक्तूबर को कॉकरोच जनता पार्टी और कुछ अन्य संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। जिसको रोकने के लिये दिल्ली सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय किए थे। इस दौरान सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने को लेकर सवाल उठाये गए। लोगों ने जगह-जगह सड़कों पर अवरोधक लगाने, क्षेत्र के मेट्रो स्टेशनों पर बंदिश लगाने तथा प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध सख्ती को लेकर चिंता जाहिर की। कहा गया कि पुलिस ने एहतियाती दायित्वों से बढ़कर आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। निस्संदेह, आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जवाबदेही अधिकारियों की बनती है। जब आंदोलन आदि के दौरान हिंसा होने और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका हो तो आसन्न खतरों के मद्देनजर अधिकारियों की कार्रवाई करना बनता है। लेकिन यह भी जरूरी है कि इन अधिकारों का उपयोग कानून की सीमाओं में ही किया जा सकता है।

लेकिन सवाल है कि सिर्फ शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने पर लोगों को हिरासत में लेना, निर्धारित निषेधाज्ञा वाले इलाकों से बहुत दूर तक आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना, सार्वजनिक सेवाओं पर रोक लगे तो क्या यह आम लोगों को दंड देने जैसा नहीं है? तभी शीर्ष अदालत ने कोर्ट-परिसर के आस-पास रोक लगाने वाले नोटिस भी तुरंत हटाने के निर्देश दिए। जिससे नागरिक-अधिवक्ता बिना किसी बाधा के यहां पहुंच सकें। दरअसल, विपक्षी दल लोगों को हिरासत में रखने और ज़रूरत से ज्यादा बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, पुलिस को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। बेशक, प्रदर्शनकारियों के साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों को लेकर संशय नहीं होना चाहिए। जरूरी है कि वह असंतुष्ट लोगों की शिकायतों को सुनें, असहमति का सम्मान करते हुए कानून-व्यवस्था बनाये रखें और अदालत के निर्देशों का सम्मान करें। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने एक महत्वपूर्ण सीमा-रेखा खींची है। इसी आलोक में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश की राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों में संविधान प्रदत्त स्वतंत्रता का अतिक्रमण न हो। हालांकि, सीजेपी व विपक्ष के तेवरों को देखते हुए यह करना आसान भी नहीं होगा।

विपक्ष के बढ़ते दबाव के बीच संवाद भी जरूरी

ज्योति मल्होत्रा

एसआईआर, रोजगार व शिक्षा जैसे मुद्दों को लेकर सरकार और विपक्ष में टकराव जारी है। सीजेपी को मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च की इजाजत नहीं मिली। वहीं कांग्रेस ने इन मामलों व लोकतांत्रिक हकों के मुद्दे पर दबाव बढ़ाया है। समाधान के लिए संवाद-बहाली जरूरी है।

पिछले हफ्ते, जहां नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन में 25 साल पूरे करने की खुशियां मनाईं— पहले बतौर गुजरात का मुख्यमंत्री रहते और पिछले 12 सालों से प्रधानमंत्री के रूप में— वहीं राहुल गांधी और उनकी राजनीति भी वक्त के साथ परिपक्व हुई। मार्का बन चुकी अपनी सफेद टी-शर्ट और खाकी कार्गो पैंट पहने, कांग्रेस नेता उन पीले बैरिकेड्स पर चढ़ गए जिनसे दिल्ली का हर निवासी भली-भांति वाकिफ है और उन्होंने तिरंगा लहराया। उनकी बहन प्रियंका उनके बगल में खड़ी थीं और उन्होंने भी यही किया। एक दिन बाद, वह सड़क पर लेट गईं और सीने पर संविधान की एक प्रति थी; पुलिस को उन्हें उठाने को ललकारा। उसने वही किया।

भारतीय राजनीति में पिछला सप्ताह उन हफ्तों में से एक रहा, जब तरह-तरह की गहमागहमी सुर्खियों में छई और बनी रहीं। नोएडा के जेवर एयरपोर्ट का नाम बदलकर नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को गत शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च करने की इजाजत नहीं दी। दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज ने भारतीय युवा कांग्रेस से, जिसने विरोध प्रदर्शन करने की अपनी याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की थी, कहा, 'इतनी जल्दी क्या है?' सुनवाई सोमवार यानी आग होगी।

सीजेपी ने कहा है कि वह फिर भी आगे बढ़ेगी और जानना चाहती है कि उसे विरोध करने के हक से क्यों वंचित किया जा रहा है, जोकि संविधान प्रदत्त एक अधिकार है— अनुच्छेद 19(1)(ए) आपको शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के इकट्ठा होने का अधिकार देता है, अनुच्छेद 19(1)(सी) नागरिकों को असहमति जताने, रैलियां करने और सामूहिक रूप से मुद्दे उठाने की अनुमति देता है, जबकि अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है, जिसकी व्याख्या बृहद रूप से शांतिपूर्वक और सम्मान के साथ अपनी शिकायतें व्यक्त करने के अधिकार के रूप में की गई है।

दिल्ली को एक किले में बदला गया। राजधानी की सुरक्षा के लिए लगभग 23,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। वाराणसी से दिल्ली आने वाली रेलगाड़ियों सहित कई रेलगाड़ियां रद्द कर दी गईं। मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए। सीमाएं सील कर दी गईं।

एन. रघुरामन

कई बार हमारे युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के पेरेंट्स को अपने साथियों से ऐसे शब्द सुनकर गर्व महसूस हुआ होगा कि 'वाह, आपका बच्चा तो ब्रिलियंट होगा! उन इंटरव्यूज में सफल होना आसान नहीं!' या फिर किटी पार्टी में महिलाएं कहती होंगी, 'अरे, अब तो उनकी लाइफ पूरी तरह से सेट है!'

यह बहुत बड़ी उपलब्धि है!' या फिर हाउसिंग सोसाइटी में रहने वाले परिचित लिफ्ट के भीतर टिप्पणी करते होंगे, 'आपको उन पर कितना गर्व होता होगा! वे ऐसी तकनीक पर काम कर रहे हैं, जिसका इस्तेमाल पूरी दुनिया हर दिन करती है।'

इसके लिए हम सभी को उन महिला का आभारी होना चाहिए, जिन्होंने सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित, आकर्षक वेतन वाले और सम्मानित पेशों में से एक बनाने में योगदान दिया। आइए, उनकी कहानी जानते हैं।

1965 में वे गणित में पीएचडी करने की तैयारी कर रही थीं। तभी उनके पति की नजर एमआईटी इंस्ट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी के एक विज्ञापन पर पड़ी। संस्थान ऐसे लोगों की तलाश में था, जो मनुष्य को चांद पर भेजने के लिए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर विकसित



सवाल यह है कि केंद्र सरकार अचानक इतनी बौखलाई हुई क्यों दिख रही है? सत्ता की बागडोर मजबूती से उनके हाथ में है और अगले ढाई साल तक कोई उन्हें हिला भी नहीं सकता। योगी आदित्यनाथ की कहीं जाने की संभावना नहीं है—भले ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन कर लें, फिर भी योगी की बीजेपी को हराना मुश्किल होगा। जहां तक पंजाब की बात है, चुनावी लिहाज से यह बहुत छोटा राज्य है, यहां मात्र 13 लोकसभा सीटें हैं, हालांकि पंजाब का जोश लोगों के मूड का एक शानदार संकेत अवश्य बना हुआ है।

दिल्ली के हुक्मरानों में फैली इस घबराहट का एक शब्द में जवाब है : नौकरियों। सरकार को अच्छी तरह पता है कि इस मामले में वह कमजोर स्थिति में है, शायद सत्ता में अपने 12 सालों में पहली बार, क्योंकि देश के युवा पूरी तरह से उनके साथ नहीं हैं। भारत की चर्चित और ख्यात-कुख्यात 'जेन-जी' पीढ़ी के आंकड़ों को फिर से दोहराएं तो देश की कुल आबादी का 27 फीसदी हिस्सा— यानी हर चौथा व्यक्ति – 15 से 29 साल की उम्र का है; 52 फीसदी आबादी यानी हर दूसरा व्यक्ति 30 साल से कम उम्र का है; और 140 करोड़ की आबादी में से 65 प्रतिशत लोग 35 साल से कम उम्र के हैं।

नीट पेपर लीक होना और परिणामतः उम्मीदों से भरे भारत के 20 साल के करीब के युवाओं को जो

अच्छे इनोवेटर्स आम चीजों पर ध्यान देकर इतिहास रचते हैं!

कर सकें।

उन दिनों कोड लिखने को वास्तविक इंजीनियरिंग के बजाय अकसर मामूली काम समझा जाता था। इसके बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई की योजना छोड़ दी और अपोलो परियोजना की पहली और एकमात्र महिला प्रोग्रामर बन गईं। इस अवधि में वे एक सिंगल-मदर के रूप में बेटी लॉरेन को अपने साथ काम पर ले जाया करती थीं।

एक रात लॉरेन एस्ट्रोनॉट बनकर खेल रही थी। मागरेट ने उसे उस हाईवेयर सिमुलेटर पर खेलने दिया, जिस पर वे काम कर रही थीं। खेलते-खेलते लॉरेन ने गलती से कुछ बटन दबा दिए और नेविगेशन से जुड़ा सारा डेटा मिट गया। लेकिन मागरेट को इस पर गुस्सा नहीं आया।

उन्हें एहसास हुआ कि कोई अंतरिक्ष यात्री भी अनजाने में ऐसी ही गलती कर सकता है। अब सिधे 20 जुलाई, 1969 पर आते हैं। अपोलो-11 मिशन पर गए तीन अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री चांद की सतह पर कदम रखने वाले पहले मनुष्य बनने से कुछ ही मिनट दूर थे। (इनमें 2 चांद की सतह पर उतरे, 1 लूनर ऑर्बिट में मौजूद थे), तभी उनके लूनर मॉड्यूल में

अलार्म बजने लगे। इससे उस ऐतिहासिक क्षण के फिलफ हो जाने का खतरा पैदा हो गया, जबकि दुनिया भर में उसका सीधा प्रसारण चल रहा था। चांद की सतह पर उतरते समय लूनर मॉड्यूल 'ईगल' को अपनी ऊंचाई और गति की गणना करने के लिए केवल लैंडिंग रडार की जरूरत थी। उसे रेंदेवू रडार की जरूरत नहीं थी।

इस रडार का इस्तेमाल ऊपर की कक्षा में चक्कर लगा रहे कमांड मॉड्यूल की स्थिति पर नजर रखने के लिए किया जाता था। प्रोग्रामिंग क्षेत्र की पुरोधा मागरेट हैमिल्टन इस संकट की आशंका को पहले ही भांप चुकी थीं। उन्हें इसका सबक अपनी बेटी की उस गलती के बाद पड़े। यही कारण था कि हैमिल्टन के सॉफ्टवेयर ने इस गलती को दुरुस्त कर लैंडिंग को निर्बाध होने दिया।

जब मिशन कमांडर नील आर्मस्ट्रॉंग ने चांद से वह प्रसिद्ध घोषणा की कि 'द ईगल हैज लैंडेंड', तो कई हाथ तालियां बजाने के लिए जरूर उठे, लेकिन अनेक निगाहें मागरेट हैमिल्टन की ओर भी मुड़ गईं। 2016 में जब बराक ओबामा ने मागरेट को अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ

सीजेपी को अपनी-अपनी आवाज़ मिली है। कम से कम सीजेपी से जुड़े लोग तो 20 और 30 की उम्र के हैं – तो फिर 56 साल के राहुल गांधी के पास क्या बहाना है? सिवाय इसके कि एलन मस्क द्वारा भारत में कथित 'क्रोनी कैपिटलिज्म' (अपने खासमखास सेटों को फ़ायदा पहुंचाने वाला ज़ुंबोवाद) पर किए गए तंजनुमा ट्वीट के जवाब ('दूसरे एक व्यक्ति के बारे में पता चलने तक इंतज़ार करें') ने सरकार को बेचैन कर दिया –इस आलोचना का जवाब देने के लिए सरकार ने अपने सबसे शालीन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को मैदान में उतारा है।

कांग्रेस पार्टी ने स्पष्टतः अपनी राजनीतिक रणनीति बदल ली है। बीजेपी की नाकामियों पर हमला करने के बजाय, अब वह उसकी कामयाबियों पर सवाल उठा रही है – 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर को चुनौती देकर; बढ़ते बुनियादी ढांचे,खसकर सड़कों पर सवाल उठाना; यह सवाल उठाना कि चीन के शी जिनिपिंग को ब्रिक्स सम्मेलन में बुलाया ही क्यों गया, यह देखकर भी कि वह भारत का सबसे बड़ा विरोधी बना हुआ है; और ‘वोट चोरी’ का मुद्दा उठाकर, कांग्रेस का कहना है कि चुनाव आयोग में मतभेद इसका पक्का सबूत है कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे से छेड़छाड़ की जा रही है।

बेशक, कांग्रेस और सीजेपी को शांतिपूर्ण विरोध करने का अधिकार है। ‘ज्ञानेश, बस बहुत हो गया भाई’ लिखे हुए प्लेकार्डों से कोई बहुत बड़ी हलचल नहीं होने वाली। सरकार को यह स्वीकार करना चाहिए कि लोगों को असहमत होने, विरोध करने और अलग राय रखने का अधिकार है। वहीं, अपनी ओर से कांग्रेस और सीजेपी को यह यकीनी बनाना होगा कि उनका विरोध शांतिपूर्ण रहे। दोनों पक्षों को बीच की राह निकालने के लिए एक-दूसरे से बात करनी चाहिए और बातचीत की डोर को फिर से बहाल करना चाहिए, जो बहुत दखते टूट चुकी है। आखिरकार, दोनों पक्षों को यह अहसास करना चाहिए कि हमारे पास एक ही देश है व एक ही चुनाव है जो हर पांच साल में हमारे मतदान जीवन को तय करता है।

उन 13 करोड़ वोटरों के नाम फिर से मतदाता सूची में शामिल किए जाएं, जो किसी न किसी वजह से हटा दिए गए थे और वे अपने बुनियादी वोटिंग अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी अपने अगले ‘मन की बात’ कार्यक्रम में हमें संबोधित करें व भरोसा दिलाएं कि हम सब एक ही परिधि में आते हैं – चाहे हम भाजपा, कांग्रेस, आप, समाजवादी पार्टी या नोटा को वोट देते हों।

नागरिकों को अपना रोा जाहिर करने का जायज माध्यम मिलना चाहिए; हम सभी अतीत में इसे कुचलने के बुरे नतीजों से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

लेखिका ‘द ट्रिब्यून’ की प्रधान संपादक हैं।

डॉ. प्रदीप कुमार राय

अपनी किताब ‘ब्लूमन फर्स्ट, मशीन सेकंड’ में टेक जगत की बड़ी हस्ती विनीत नायर ने कहा कि मनुष्य अपनी सारी क्षमताओं का एआई के सामने समर्पण करके खुद को बेवजह निर्बल बना रहा है। उन्होंने कृत्रिम मेधा के बारे में कहा—‘एआई इज़ गाइड, नॉट गाइड।’

‘मैं 12 तक गिनता हूं। जब तक मेरी 12 की गिनती पूरी हो, तुम अपनी देह में लौट आना, जहां तुम अक्सर रहते नहीं हो, जबकि तुम्हें रहना चाहिए। जब तक 12 की गिनती पूरी हो, तुम खुद को शांत-शांत और शांत करते हुए विश्रांति की अवस्था में चले जाना।’ यह आह्वान नोबेल पुरस्कार विजेता चिली मूल के लेखक पाब्लो नेरुदा ने 76 साल पहले अपनी कविता ‘कीपिंग क्राइट’ में पूरी मनुष्य जाति से किया था। मनुष्य के भीतर अनंत बेचैनी देखकर

एक बड़ा प्रश्न है कि दशकों पहले मनुष्य के जीवन में कोई बहुत रफ्तार और व्यस्तता देखकर ही तो पाब्लो ने यह आह्वान किया होगा। मनुष्य के अंदर बहुत भारी बेचैनी देखे बिना तो उन्होंने इतनी गहरी कविता लिखी नहीं होगी। अगर अब तुलना करें कि उस समय के मुकाबले हम मनुष्य कितने गुना अधिक व्यस्त और बेचैन हुए होंगे! बल्कि अब हम खाली व्यस्त नहीं, बेचिनी अस्त-व्यस्त हैं।

यानी हमारी बेचैनी का ग्राफ तब के मुकाबले सैकड़ों गुना बढ़ा होगा, इसमें तो कोई संदेह ही नहीं है। अब के मुकाबले तब की बेचैनी बहुत कम ही होगी। बड़े लक्ष्य हासिल करने और तकनीक व स्क्रीन से इतनी लिपटने की तब इतनी संभावनाएं ही नहीं थीं। फिर भी उस कालखंड के लोगों का सौभाग्य देखिए कि पाब्लो जैसा उद्धट विद्वान उनको शांतिचित करने के लिए 12 तक की गिनती करने खड़ा हो गया। और लोगों ने सुन भी लिया। और लोगों के पास सुनने



का समय भी था।

इस दौर में हमारे लिए यह गिनती करने कौन आएगा? हालांकि, आज भी संत-फकीर लोगों को अवश्यक बेचैनी के प्रति चेता रहे हैं, पर बदलते वक्त की नब्ब देखते हुए वे 12 तक की गिनती तब का समय लोगों को शांत होने के लिए देने का प्रयोग नहीं कर रहे। और अगर किसी दार्शनिक ने आज ऐसा कह भी दिया कि मनुष्य जाति को पांच-दस तक की गिनती का समय देता हूं और वे अपने मूल में लौट आएं, फिर भी हम पांचवें गियर में चल रहे डिजिटल युग के मानव इतनी गति में तन और मन पर अचानक ब्रेक कहां लगा देंगे?

मौजूदा स्थिति को देखकर, जहां सभी संदेशों को माइक्रो ड्रामा प्रारूप यानी बहुत कम सेकंड का बनाया जाता है, वहां ऐसा लक्ष्य रखने की संभावना कोई भी नहीं दूँहेगा। पर आज मनुष्य जाति की दशा के नजरिए से देखें, तो उसकी रफ्तार और बेचैनी को विराम देने के लिए 12 तक की गिनती भी बड़ी है। वास्तव में तो

तीन तक गिनने का समय ही दिया जाना चाहिए। आज मनुष्य का ज्ञान तो कमजोर नहीं है। उसे यह तो पता है कि वह एक अथक परिक्रमा में चल पड़ा है। अपार सूचना से घिरे रहने के कारण उसे यह भी पता है कि मनुष्य की ध्यान टिकाने की क्षमता (अटेंशन स्पेन) आठ सेकंड से थोड़ी-सी ज्यादा रह गई है। उसे इतना भान तो होगा कि दिन के एक बड़े हिस्से में आंखों ने स्क्रीन के अलावा कुछ और न देखा होगा, तो फिर ध्यानाकर्षण तो निर्बल होगा ही। सोशल मीडिया की अनंत स्कॉलिंग और उसमें भी ढेरों नैरेटिव की तुलना करने से जिस बहाव के साथ मनुष्य बह रहा है, उसमें उसे उहराव लेने का रास्ता नहीं सूझ रहा?

विशेषज्ञ कहते हैं कि आज मनुष्य के बैठने-उठने का तरीका (पॉस्चर) भी मनुष्य वाला नहीं रहा। अब यह आई-पॉस्चर यानी आईफोन से निकला पॉस्चर हो चुका है। और इन दिनों एक और भारी विस्मय मनुष्य जाति अपने हाथों पैदा कर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार के साथ मनुष्य स्वयं घोषणा कर

रहा है कि बस, असली बात तो मशीन ही सोच सकती है। असली किएटिव तो मशीन ही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मोह में मनुष्य इतना पड़ गया कि कृत्रिम व्यवहार करने लग गया है।

इसका सम्यक् प्रयोग तो उचित है, पर मनुष्य तो इसके मोहपाश में अपने कॉर्नटिव ओवरलोड को और अधिक बढ़ाने पर जुट गया है। अभी हाल में प्रकाशित अपनी किताब ‘ब्लूमन फर्स्ट, मशीन सेकंड’ में टेक जगत की बड़ी हस्ती विनीत नायर ने कहा कि मनुष्य अपनी सारी क्षमताओं का एआई के सामने समर्पण करके खुद को बेवजह निर्बल बना रहा है। उन्होंने कृत्रिम मेधा के अत्यधिक मोहपाश में बंधे मनुष्य को अपनी किताब में यह समझाया—‘एआई इज़ गाइड, नॉट गाइड।’ अर्थात् एआई सहायक है, भगवान नहीं है। विशेषज्ञों को डर है कि मनुष्य कहीं मशीन के सहारे बड़े लक्ष्य पाने की चाह में अपनी वास्तविक चेतना न खो बैठे।

और फिर... अनंत की तरफ जाती मनुष्य की व्याकुलता के कारण डिजिटल माध्यम तक ही सीमित नहीं हैं। सुख और समृद्धि के लक्ष्य भी निरंतर बढ़ रहे हैं और उनकी परिभाषाएं रोज बदल रही हैं। वे भीतर बड़ी रफ्तार पैदा कर रही हैं। इन सबसे उपजी तीव्र गति वाली व्यग्रता, जिसे प्रायः कम शिक्षित लोग भी अब अंग्रेजी शब्द ‘एंग्जाइटी’ ही कहकर पुकारते हैं, एक खतरनाक रूप ले चुकी है। यह एंग्जाइटी पूरे संसार में भारी रोग बनती जा रही है। कितने भयंकर रोग मनुष्य को एंग्जाइटी ने दिए हैं। उसने मनुष्य का नीर-क्षीर विवेक भी छीन लिया है।

मनुष्य को इन सब अनंत, अपार दौड़ों में उहराव देने कोई आकर पास में खड़ा नहीं हो सकता। शायद मनुष्य को अपने को उहराव देने के लिए पाब्लो की सुझाई गिनती अपने लिए खुद ही बोलनी होगी। अंत में—आपके बारह हैं, आपकी बारी है, आपने ही बोलना है।

शिलांग और सुबह-शाम के चेहरे

ये शिलांग की सुबह है। इस सुबह में बीते दिन की पूरी धमक है, बीती शाम की सरगोशियां हैं, चमक है। सुबह की सैर पर निकली तो चलती ही गई, मानो शिलांग को अपने कदमों से भी जीना चलती हूं। किसी भी शहर की सुबह में उसकी रात की कहानी का पता होता है। बस, उस पते का पता पूछने वाले कम ही होते हैं। अपने चलते हुए कदमों और दृश्यों में छिपी शहर की बतकही से मुखातिब थी। वहीं चाय की उठती भाप, कुछ घूमने निकले जोड़े, कुछ परिवार, कुछ ब्लॉगर, कैमरों की क्लिक्स का महासागर। कुछ दूरी पर आज के दिन के अखबारों के ढेर और कुछ अखबार खरीदते और खबरों की दुनिया पर गुप्तगू करते लोग दिखे।

अखबार पर बात करने वालों में ज्यादातर स्थानीय लोग ही थे और इनमें महिलाएं एक भी नहीं थीं। महिलाएं कब और कहाँ-कहां नहीं होती हैं, इसकी वजह पर नहीं जाऊंगी। शहर का कुछ पता नहीं था, किसी से पूछना भी नहीं था, गूगल से भी नहीं, तो जिधर भीड़ कम लगे और हरियाली ज्यादा दिखे, उधर चल पड़ी। कुछ चर्च, कुछ लाइब्रेरी रास्ते में पड़ते गए। सड़कों की सफाई बराबर हो रही थी। सफ़ाई कर्मचारी रात के निशान सड़कों से मिटा रहे थे। उन्हें अगले दिन के लिए तैयार कर रहे थे।

तभी सड़क पर एक पिता और पुत्र पर नज़र पड़ी। पिता सड़क पर झाड़ू लगा रहा था, कूड़ा उठा रहा था और उसका छोटा-सा बच्चा, शायद डेढ़ या दो साल का होगा, थमाकले के डिब्बे में प्लास्टिक की खाली बोतल को फंसाकर बनाए गए कूड़ा इकट्ठे करके लाटे डिब्बे को खेलगाड़ी बनाकर खेलता दिखा। वह बहुत खुश था। खेलगाड़ी को खींचता, उसे गोल-गोल घुमाता, उसमें कोई कूड़ा उठाकर रख देता, फिर भागने लगता। उस बच्चे की मुस्कुराहट में यह सुबह डूब चुकी है।

फ़िलहाल मेरी हथेलियों में खुशी का यह सिका है। इसे मैं कभी खूबं नहीं करूंगी। उड़ा करूंगी कि दुनिया के सारे बच्चे यूँ ही खुश हों, लेकिन कूड़ा बीनते हुए नहीं, स्कूल जाते हुए, पढ़ते हुए, खेलते हुए और इस दुनिया को थोड़ा बेहतर बनाते हुए। सुबह की सैर में शहर का जो चेहरा दिखा, वो रात के चेहरे से कई मायनों में अलग था। रात में जिस मौज-मस्ती की रवानगी थी, सुबह में एक पुरस्कृत उहराव था। मैं इन सुबहों की तलाश में ही तो निकली हूँ, इस पुरस्कृत उहराव की तलाश में। अपने चेहरे को आसमान की ओर करके लंबी, हकीर सांस लेते हुए शहर को ज़्ब्त करने की कोशिश की।

सेवा संकल्प



दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने की ऐतिहासिक पहल

धमतरी। इंडोर स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय 'निदान-03' विशेष शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस अभिनव शिविर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को अधिक सहज व सुविधाजनक बनाना था। जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग और भगवान महावीर दिव्यांग सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन के अंतिम दिन भी जिलेभर से पहुंचे दिव्यांगजनों और बुजुर्गों ने अपने परिजनों के साथ पहुंचकर शिविर का अभूतपूर्व लाभ उठाया। शिविर स्थल पर सुबह से ही जरूरतमंदों का तांता लगा रहा, जहां विशेषज्ञों की टीम ने दिव्यांगजनों की आवश्यकता का आकलन कर उन्हें कृत्रिम अंग, कैलिसर्स, व्हीलचेयर और श्रवण यंत्र जैसे महत्वपूर्ण सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदान किए।

इस विशेष आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण यह रहा कि बुजुर्गों और दिव्यांगों को अपनी विभिन्न जरूरतों के लिए अलग-अलग कानालयों के चक्र काटने से मुक्ति मिल गई, क्योंकि एक ही छत के नीचे सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। वरिष्ठ नागरिकों की आंखों और कानों की जांच की गई और मौके पर ही उन्हें चश्मे तथा सुनने की मशीनों वितरित की गईं। शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र, विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र, बस पास और एम-आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया भी पूरी की गई। 'निदान-03' शिविर ने समाज के उपेक्षित और जरूरतमंद वर्गों को सम्मानपूर्वक जीवनयापन करने के अवसर प्रदान कर संवेदनशीलता और इच्छाशक्ति का परिचय दिया है।

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ तेजी से मध्य भारत के एक बड़े मेडिकल हब के रूप में विकसित हो रहा है। स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के साथ अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक, सुपर स्पेशलिटी सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक नागरिक को बेहतर, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं अपने प्रदेश में ही उपलब्ध हों तथा आर्थिक अभाव किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने।

मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी में ओमेगा मेडिशाइन अस्पताल की अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहल एवं कैंसर उपचार केंद्र के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन और ओमेगा ग्रुप की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जुझ रहे मरीज के साथ पूरा परिवार कठिन दौर से गुजरता है। यदि उपचार के लिए दूसरे राज्य जाना पड़े तो परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ने के साथ अनेक व्यावहारिक कठिनाइयां भी आती हैं। हमारी कोशिश है कि छत्तीसगढ़ के लोगों को गंभीर से गंभीर बीमारी के उपचार के लिए प्रदेश से बाहर जाने की आवश्यकता न्यूनतम हो और उन्हें अपने

उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से हो रहा विकेन्द्रीकरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन ने राज्य सरकार स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को केवल बड़े शहरों तक सीमित रखने के बजाय गांव, गरीब और सुदूर जनजातीय अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तथा मेडिकल कॉलेजों तक स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। जिला अस्पतालों में आईसीयू, डायलिसिस यूनिट, आधुनिक पैथोलॉजी और अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि सामान्य जांव और उपचार के लिए मरीजों को अनावश्यक रूप से बड़े शहरों की ओर न जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास स्वास्थ्य सेवाओं का विकेन्द्रीकरण करना है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच चिकित्सा सुविधाओं के अंतर को कम करते हुए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित की जा रही है।



परिवार के बीच रहते हुए विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने कहा कि ओमेगा अस्पताल का प्रस्तावित ऑनकोलॉजी सेंटर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित



होगा। विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा तकनीक की उपलब्धता से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि आसपास के राज्यों के मरीजों को भी बेहतर कैंसर उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गंभीर बीमारी केवल स्वास्थ्य संबंधी चुनौती नहीं होती, बल्कि कई बार परिवार के सामने बड़ा आर्थिक संकट भी खड़ा कर देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई आयुष्मान भारत योजना ने ऐसे लाखों परिवारों को उपचार की चिंता से राहत दी है। शासकीय अस्पतालों के साथ बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों को भी योजना से जोड़ा गया है, जिससे पात्र परिवारों को निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से भी गंभीर बीमारियों से जुझ रहे जरूरतमंद परिवारों को सहायता प्रदान कर रही है। पैसे के अभाव में किसी गरीब का इलाज न रुके और उपचार के लिए किसी परिवार को अपनी जमीन, घर या गहने बेचने जैसी परिस्थिति का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि वनांचलों में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की जांच और उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों, दवाइयों और आवश्यक जांच सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसा स्वास्थ्य तंत्र विकसित करना है जिसमें बस्तर के सुदूर गांव से लेकर राजधानी रायपुर तक हर नागरिक को आवश्यकता के

अनुरूप गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो।

200 एकड़ में मेडिसिटी और फार्मा पार्क से खुलेगा संभावनाओं का नया द्वार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवा रायपुर में लगभग 200 एकड़ क्षेत्र में आधुनिक मेडिसिटी और फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है। मेडिसिटी और फार्मा पार्क के माध्यम से सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा सेवाओं, फार्मास्यूटिकल उद्योग, चिकित्सा अनुसंधान और आधुनिक स्वास्थ्य तकनीकों को एक मजबूत इकोसिस्टम उपलब्ध होगा। इससे चिकित्सकों, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ सहित रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। छत्तीसगढ़ चिकित्सा क्षेत्र में निवेश के आकर्षक केंद्र के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित कर रही है।

स्वास्थ्य अधोसंरचना और आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का निरंतर विकास : साव

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है, जिसका सीधा लाभ प्रदेश की जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र द्वारा आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र को और मजबूती मिलेगी।

गांव से लेकर शहर तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने की कोशिश : जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार गांव से लेकर शहर तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं



उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के साथ आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कैंसर उपचार केंद्र की पहल के लिए अस्पताल प्रबंधन और पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इन अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू, महापौर मीनल चौबे, मेडिशाइन हॉस्पिटल के डायरेक्टर सुशील शर्मा, ओमेगा ग्रुप के सीईओ सहित अन्य जनप्रतिनिधि, चिकित्सक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

हॉकी अकादमी पहुंची क्रिकेटर हरलीन, खिलाड़ियों को दिया मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास का गुरुमंत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी हरलीन देओल ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग की रायपुर आवासीय हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सभी खिलाड़ियों से आत्मीय संवाद किया और अपने खेल जीवन के अनुभव साझा किए।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की पहल पर हरलीन हॉकी अकादमी आई थीं। हरलीन ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अकादमी में उपलब्ध खेल सुविधाओं, प्रशिक्षण और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने बच्चों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन के साथ नियमित अभ्यास करने और भारतीय टीम का हिस्सा बनकर देश के लिए खेलने का सपना देखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, आप मेहनत कीजिए, अपने खेल के लिए पूरी लगन से



प्रयास कीजिए। भगवान भी आपकी मदद करेंगे। अपने ऊपर विश्वास रखिए और देश के लिए खेलने का सपना जरूर देखिए। हरलीन ने बताया कि सफलता प्राप्त करने के लिए प्रतिभा के साथ कड़ी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। उन्होंने खिलाड़ियों को अपनी कमियों को पहचानने, उनमें सुधार करने और हर दिन पहले से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। क्रिकेट और हॉकी अलग-अलग खेल हैं, लेकिन दोनों में सफलता के लिए अनुशासन, फिटनेस, मानसिक मजबूती, टीम

भावना और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता महत्वपूर्ण है। **जनजातीय खिलाड़ियों को भी मिला प्रोत्साहन** खेल एवं युवा कल्याण विभाग की आवासीय हॉकी अकादमी में प्रदेश के दूर-दराज के जनजातीय क्षेत्रों से आए प्रतिभाशाली बच्चे भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। ये खिलाड़ी अपने घर-परिवार से दूर रहकर अपनी प्रतिभा को निखारने और भविष्य में देश के लिए खेलने का सपना साकार करने की दिशा में प्रयासरत हैं। हरलीन से मुलाकात उनके लिए प्रेरक है।

हरलीन ने खिलाड़ियों के साथ बिताए यादगार पल

हरलीन ने प्रत्येक खिलाड़ी के साथ व्यक्तिगत रूप से फोटो खिंचवाया और उनके साथ समय बिताया। खिलाड़ियों ने उनके साथ बातचीत की और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर प्राप्त किया। उनके साथ बिताए गए ये पल अकादमी के बच्चों के लिए यादगार बन गए।

खेल अधिकारी और प्रशिक्षक भी रहे मौजूद

इस अवसर पर खेल अधिकारी शिवराज साहू, हॉकी प्रशिक्षक रश्मि तिकी, सॉफ्टबॉल प्रशिक्षक टी.एन. रेड्डी सहित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के प्रयासों तथा छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के बीच अनुभवों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नवरात्र के प्रथम दिन कोरबा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं के लिए निर्मित शौचालय बेटियों के सम्मान की एक सुंदर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशनद्वाराग्रामीण (वीबी-जी रामजी) के अंतर्गत कोरबा जिले के पाली विकासखंड की ग्राम पंचायत नोनबिरी और करतला विकासखंड की ग्राम पंचायत दादरकला में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में संचालित 'मेरी बेटीद्वेरा अभिमान' अभियान के अंतर्गत ग्रामीण विद्यालयों में बालिकाओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। कोरबा जिले में पूर्ण हुए ये निर्माण कार्य इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं। ग्राम पंचायत नोनबिरी एवं



दादरकला में निर्मित बालिका शौचालय को आकर्षक गुलाबी रंग और सुंदर चित्रकारी से सजाया गया है। भवन की दीवार पर बड़े अक्षरों में 'मेरी बेटीद्वेरा स्वाभिमान' का संदेश अंकित है। इसके साथ ही 'स्वच्छ रहें, सुरक्षित रहें' का संदेश भी दिया गया है। शौचालय के सामने खड़ी स्कूली बालिकाओं ने वीबी-जी रामजी के अक्षरों और स्वच्छता के प्रतीकों के माध्यम से योजना के प्रति अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। बालिकाओं की यह सहभागिता दर्शाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और बेटियों के आत्मसम्मान के प्रति

सकारात्मक वातावरण तैयार हो रहा है।

नवरात्र में मातृशक्ति के सम्मान का साकार रूप

नवरात्र का पर्व नारी शक्ति के सम्मान और आराधना का प्रतीक है। ऐसे अवसर पर बालिकाओं के लिए शौचालयों का निर्माण पूर्ण होना विशेष महत्व रखता है। विद्यालयों में अलग बालिका शौचालय की उपलब्धता छात्राओं की निजता, स्वास्थ्य और स्वच्छता के सुदृढ़ी एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। विशेष रूप से किशोरावस्था में बालिकाओं के

लिए ऐसी सुविधाएं उनकी गरिमा और आत्मविश्वास को बनाए रखने में सहायक होती हैं। इससे विद्यालय में उनकी नियमित उपस्थिति और पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में भी मदद मिलेगी।

6,671 बालिका शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 6 अगस्त 2026 को वीबी-जीरामजी योजना के अंतर्गत राज्यव्यापी 'मेरी बेटीद्वेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया था। यह विशेष अभियान 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश के ग्रामीण शासकीय विद्यालयों में लगभग 286.85 करोड़ रुपये की लागत से 6,671 बालिका शौचालयों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान का उद्देश्य केवल शौचालयों का निर्माण करना नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों को ऐसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे वे बिना किसी असुविधा के शिक्षा प्राप्त कर सकें।

मानिकप्रकाशपुर में 800 स्टैगर्ड ट्रेंच से वर्षा जल का संचयन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गांवों में वर्षा जल की एक-एक बूंद सहेजने, मिट्टी के कटाव को रोकने और ग्रामीणों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत मानिकप्रकाशपुर में महत्वपूर्ण पहल की गई है। अम्बिकापुर विकासखंड के मानिकप्रकाशपुर अंतर्गत बिल घुट्टा में सामुदायिक स्टैगर्ड ट्रेंच निर्माण के माध्यम से जल एवं मृदा संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के तहत एक लाख 40 हजार 262 रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति से 800 स्टैगर्ड ट्रेंच का निर्माण कराया गया है। इससे वर्षा जल के संरक्षण, भूमि में नमी बनाए रखने और भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत यह कार्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ ग्रामीण रोजगार सृजन का



भी उदाहरण है। निर्माण कार्य के लिए 425.96 मानव दिवस रोजगार का प्रावधान किया गया है, जिससे स्थानीय श्रमिकों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

स्टैगर्ड ट्रेंच जल एवं मृदा संरक्षण की एक उपयोगी तकनीक है। इसके अंतर्गत भूमि पर नियमित अंतराल में छोटे-छोटे गड्ढे बनाए जाते हैं, जो बारिश के पानी को रोकने और उसके बहाव को कम करने में

सहायक होते हैं।

इस कार्य के माध्यम से गांव में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने और वर्षा जल का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है।

वर्षा जल के संचयन के साथ ही रोजगार का भी सृजन

इस व्यवस्था से वर्षा जल का अनावश्यक बहाव कम होने, मिट्टी के कटाव पर नियंत्रण और भूमि में नमी बनाए रखने में मदद मिलने की अपेक्षा है। साथ ही पानी के धीरे-धीरे जमीन में समाहित होने से भू-जल पुनर्भरण को भी बढ़ावा मिल सकता है। सामुदायिक स्टैगर्ड ट्रेंच निर्माण कार्य के लिए एक लाख 40 हजार 262 रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। ग्राम पंचायत मानिकप्रकाशपुर को इस कार्य की क्रियाव्यवस्था एजेंसी बनाया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के ऐसे कार्य विशेष रूप से उपयोगी हैं, जहां बारिश के दौरान पानी तेजी से बह जाने के कारण भूमि में पर्याप्त नमी नहीं रह पाती। स्टैगर्ड ट्रेंच निर्माण से वर्षा जल को रोकने और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में सहायता मिलने की संभावना है। इस कार्य के लिए कुल 425.96 मानव दिवस रोजगार का प्रावधान किया गया है।

गंजेपन से मुक्ति
1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
93009-11331
रंगोली वैगलस के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्गा (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P122
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

खास-खबर

सेवा सेतु से आसान हुआ विवाह पंजीयन, घर के नजदीक मिली प्रमाण-पत्र की सुविधा

बीजापुर। शासन के महत्वाकांक्षी योजना तथा डिजिटल पहल ‘सेवा सेतु’ ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय सेवाओं को सरल, सुलभ एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सेवा सेतु के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न आवश्यक प्रमाण-पत्र एवं शासकीय सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे ग्रामीणों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल रही है। इसी क्रम में ग्राम पौनेडवाया, ग्राम पंचायत अडावाल, तहसील कुटरू निवासी बलराम वाचम को सेवा सेतु के माध्यम से विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र की सुविधा प्राप्त हुई। आवेदक बलराम वाचम के आवेदन क्रमांक 22378012618000463 पर निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण कर विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया।

नक्सल प्रभावित कोयलीबेड़ा में शिक्षा की नई अलख

कांकेर। जिले के नक्सल प्रभावित एवं दूरस्थ अंचलों में शिक्षा की पहुंच मजबूत करने और स्थानीय युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। जिला कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन में कोयलीबेड़ा ब्लॉक में शनिवार को मावा मोदोल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया गया। इस नि:शुल्क अध्ययन सुविधा से क्षेत्र के विद्यार्थियों को अपने ही इलाके में शान्त, व्यवस्थित और अनुकूल वातावरण में पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा। यह पहल युवाओं के सपनों को नई दिशा देने के साथ उन्हें शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगी। मावा मोदोल लाइब्रेरी में एक समय में 75 विद्यार्थियों के बैठकर अध्ययन करने की व्यवस्था की गई है। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लाइब्रेरी का संचालन सुबह 09 बजे से शाम 07 बजे तक पांच पालियों में किया जाएगा।

खुज्जी विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के शुद्धिकरण हेतु विशेष अभियान जारी

राजनांदागांव। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 77-खुज्जी में मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतनीकरण के लिए 5 से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सीएल मारकण्डेय के मार्गदर्शन में बृथ लेवल अधिकारियों को नाम जोड़ने, संशोधन एवं नियमानुसार नाम विलोपन की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया है।देसी उत्पाद खोजें अभियान के तहत क्षेत्र के स्कूलों एवं कॉलेजों में जागरूकता एवं आवेदन शिविर आयोजित कर विद्यार्थियों और पात्र नागरिकों को मतदाता पंजीयन एवं सुधार प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। प्रत्येक बुधवार एवं गुरुवार को बीएलओ संबंधित मतदान केन्द्रों में उपस्थित रहकर नागरिकों से आवेदन प्राप्त करेंगे।

बरसात के बाद निर्माण कार्यों को मिली रफ्तार गुणवत्ता के साथ समय-सीमा पर जोर

पीडब्ल्यूडी सचिव मुकेश कुमार बंसल ने सड़कों, पुलों और भवनों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बरसात के बाद सड़कों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की पूरी तैयारी है। लोक निर्माण विभाग ने निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। काम की प्रगति अब केवल दफ्तरों की रिपोर्ट तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वरिष्ठ अधिकारी खुद मैदान में उतरकर निर्माण की वास्तविक स्थिति परखेंगे। कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के साथ औचक निरीक्षण से भी गुणवत्ता और प्रगति पर नजर रखी जाएगी। इसी कड़ी में लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने गरियाबंद जिले का दौरा कर सड़कों, पुलों और भवनों के निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जांचा लिया। अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण में आ रही बाधाओं की जानकारी ली और कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। सचिव बंसल ने गरियाबंद जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर निर्माणाधीन परियोजनाओं की जमीनी स्थिति देखी। उन्होंने फ़ीोक्षर विकासखंड में कोपरा-

महिला सशक्तिकरण से विकसित छत्तीसगढ़ का सपना होगा साकार

बस्तर में नक्सल हिंसा से बंद 421 स्कूल फिर शुरू, बेटियों की शिक्षा और सुरक्षित भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है और महिला सशक्तिकरण विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का मजबूत आधार है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोजगार, उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। हमारा लक्ष्य महिलाओं को केवल शासकीय योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि परिवार, समाज और प्रदेश की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार और नेतृत्वकर्ता बनाना है।

मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर में आयोजित शाईनिंग छत्तीसगढ़ ‘शक्ति स्वरूपा’ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली महिलाओं का सम्मान किया और उनसे संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नारी को शक्ति स्वरूपा माना गया है। नवरात्रि मातृशक्ति की



आराधना का महापर्व है। हमारी परंपरा में कहा गया है कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने जीवन से जुड़े अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ। बचपन में ही पिता का साया उठ जाने के बाद उन्होंने अपनी माता को अनेक कठिनाइयों के बीच

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आधुनिक पुलिसिंग को बढ़ावा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा पुलिसकर्मियों को आधुनिक तकनीक से परिचित कराने तथा दैनिक कार्यालयीन कार्यों को सरल, समयबद्ध एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह पहल की गई। इसके अंतर्गत पुलिस कंट्रोल रूम, सेक्टर-06, भिलाई में दुर्ग जिले के विभिन्न थानों एवं पुलिस कार्यालयों में पदस्थ रीडर्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीक के माध्यम से शासकीय दस्तावेज तैयार करने, मीडिया सामग्री को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने तथा गोपनीयता एवं तथ्यात्मक शुद्धता सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न उपयोगों की, जानकारी देते हुए बताया कि इन तकनीकों का उचित उपयोग कार्यालयीन कार्यों को

दुर्ग में थाना एवं ऑफिस रीडर्स को दी गई ट्रेनिंग



कम समय में व्यवस्थित ढंग से पूरा करने में सहायक हो सकता है। रेंज साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के उप निरीक्षक ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की कार्यप्रणाली एवं प्रभावी उपयोग को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि स्पष्ट एवं सटीक निर्देश देकर,टू आधारित उपयोगों की सहायता से शासकीय पत्र, प्रेस विज्ञप्ति, प्रतिवेदन, बैठक की कार्यवाही तथा अन्य कार्यालयीन

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए निर्देश स्पष्ट, सटीक एवं आवश्यक संदर्भ के अनुरूप होने चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान पुलिस कार्यों में गोपनीयता एवं सूचना सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया। बताया गया कि केस डायरी, विवेचना से संबंधित गोपनीय विवरण, पीड़ितों एवं मुखबिरों की पहचान तथा अन्य संवेदनशील जानकारी को सार्वजनिक टूटल पर साझा नहीं किया जाना चाहिए।टू से तैयार सामग्री का उपयोग करने से पहले तथ्यों, कानूनी प्रावधानों एवं संबंधित विवरणों का सत्यापन करना और निर्धारित विभागीय प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है। दुर्ग पुलिस का प्रयास है कि पुलिसकर्मी आधुनिक तकनीक के प्रति जागरूक हों तथा उसका उपयोग जिम्मेदारी, सावधानी एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप करें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकों का उद्देश्य पुलिस के दैनिक कार्यों को अधिक सरल, व्यवस्थित एवं समयबद्ध बनाना है।

रणजी ट्रॉफी: पहले दिन सौराष्ट्र ने बनाए 308 रन, छत्तीसगढ़ को मिली 4 विकेट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर/राजकोट। बीसीसीआई द्वारा आयोजित रणजी ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ और सौराष्ट्र के बीच पहला मुकाबला 11 से 14 अक्टूबर तक निरंजन शाह स्टेडियम, राजकोट में खेला जा रहा है। मुकाबले के पहले दिन सौराष्ट्र ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 90 ओवर में 4 विकेट के मुकसान पर 308 रन बना लिए हैं।

मैच में छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी सौराष्ट्र की टीम ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी की। सौराष्ट्र की ओर से प्रेरक मांकड़



मतदाता सूची में नाम जुड़वाने विद्यार्थियों में उत्साह

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विजय दयाराम के. के निर्देशन में जिले में मतदाता सूची के पुनर्सत्यापन एवं नवीन मतदाताओं के पंजीयन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार 10 अक्टूबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टीकरकला गौरेला, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मरवाही सहित जिले के विभिन्न शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में मतदाता जागरूकता एवं पंजीयन गतिविधियां आयोजित की गईं। अभियान के तहत विद्यालयों में गठित निर्वाचक साक्षरता क्लब (ईएलसी) एवं बृथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के माध्यम से 17 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों को मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं ग्रहल्ल उपलब्ध यहां
उचित व्याज दर पर धिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

अबिकापुर के संजय पार्क में खुलेगा अत्याधुनिक ट्राजिट ट्रीटमेंट सेंटर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वन्यजीव संरक्षण और वनांचल के ग्रामीणों की सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। वन मंत्रों केदार कश्यप की अध्यक्षता में शनिवार को नवा रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में राज्य वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की पहली बैठक हुई। इसमें अबिकापुर के संजय पार्क में आधुनिक वन्यजीव ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर स्थापित करने को मंजूरी दी गई। साथ ही संरक्षित वन क्षेत्रों की 18 ग्रामीण सड़कों के उन्नयन संबंधी प्रस्ताव भारत सरकार को भेजने की अनुशंसा की गई। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार वन्यजीव संरक्षण के साथ वनांचल के ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं



उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम, घायल वन्यप्राणियों के त्वरित उपचार और वन क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

अबिकापुर में प्रस्तावित उपचार केंद्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष और दुर्घटनाओं में घायल वन्यप्राणियों के त्वरित बचाव, प्राथमिक उपचार और अल्पकालिक देखरेख की सुविधा उपलब्ध होगी। इंद्रावती टाइनगर रिजर्व की 14 और जशपुर के बादलखोल अभयारण्य की एक सड़क के उन्नयन की अनुशंसा की गई।

ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 92 रन बनाए। वहीं, रविंद्र जडेजा 72 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों बल्लेबाज क्रीज पर टिके हुए हैं और टीम को मजबूत स्कोर की ओर ले जा रहे हैं। इनके अलावा चिराग जानी ने 83 रन और जय गोहिल ने 31 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से देव आदित्य सिंह ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि संदीप वारियर और धर्मेन्द्र सिंह जडेजा की 1-1 विकेट मिला। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक सौराष्ट्र की स्थिति मजबूत रही।

टीम ने 90 ओवर में 4 विकेट पर 308 रन बनाकर मैच में अपनी पकड़ मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। दूसरे दिन छत्तीसगढ़ की टीम सौराष्ट्र के शेष विकेट जल्द हासिल करने का प्रयास करेगी।

CAR DECOR

House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories

**Shop No.3 Nafish Tower,
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai**

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

**ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE**

**Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture**

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Jaquar Roca **Paryware** **AJAY FLOWLINE**

Shri Vijay Enterprises

**Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.**

**Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573**

खास खबर

अस्थि विसर्जन में नहीं ले जाने से पांचवी के छात्र ने की खुदकुशी

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र के कुरुद में पांचवी कक्षा के छात्र द्वारा खुदकुशी किए जाने का मामला सामने आया है। छात्र ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही जामुल थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि परिजन बालक को अपने रिश्तेदार के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में साथ नहीं ले गए थे, जिससे वह नाराज चल रहा था। जामुल पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक बालक की पहचान मनीष देवांगन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि छात्र के बड़े पिता का कुछ दिन पहले निधन हुआ था। परिवार के सदस्य अस्थि विसर्जन के लिए जा रहे थे तो उसने भी साथ जाने की इच्छा जताई। उस समय परिजनों ने किसी वजह से मनीष को साथ ले जाने से मना कर दिया। इसके कारण छात्रा परेशान रहता था। पुलिस को आशंका है कि छात्र की आत्महत्या का एक कारण यह हो सकता है। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

दीवार पर खून के छीटे बिस्तर पर महिला की लाश पति गायब

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले से महिला की हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। भाटापारा ग्रामीण थाना अंतर्गत टोनाटार गांव में 50 वर्षीय महिला की निर्मम हत्या कर दी गई। मृतका का शव उसके ही घर के बिस्तर पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है, जिसके शरीर पर गंभीर चोट के निशान हैं। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। थाना पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम तुरंत ने घटनास्थल का बारिकी से मुआयना किया। प्रारंभिक जांच में मृतिका के पैरों और शरीर के अन्य हिस्सों पर गहरे चोट के निशान पाए गए हैं, कमरे की दीवारों और जमीन पर भी खून के छींटे साफ दिखाई दे रहे थे। पुलिस ने मौके से महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद से मृतका का पति लखन बंजारे गायब चल रहा है।

मुंहबोली मांजी से दुष्कर्म के दोषी को 10 साल कैद

कोरबा। रोजी-रोटी की तलाश में कोरबा आए युवक ने मुंहबोली बहन के घर शरण ली, लेकिन बाद में उसकी भांजी के साथ दुष्कर्म किया। करीब नौ माह तक चली सुनवाई के बाद अपर सत्र न्यायाधीश सीमा प्रताप चंद्रा की फास्ट ट्रैक अदालत ने आरोपी को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। सक्ती जिले के हसीद थाना क्षेत्र के ग्राम चिस्टदा निवासी सुशील कैवट (40) सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रहने वाली मुंहबोली बहन के घर रहता था। 14 जनवरी की रात उसने नशे में भांजी के साथ दुष्कर्म किया। धारा 64 (1) में 10 साल का सश्रम कारावास और 2 हजार रुपये जुर्माना, जबकि धारा 74 और 75(2) में तीन-तीन साल की सजा सुनाई।

मामा निकाल रहा था ऑटो, 3 वर्षीय भांजे की दबने से मौत



श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। बालकोनगर थाना क्षेत्र के परसाभाड़ा वार्ड में रविवार सुबह ऑटो की चपेट में आने से 3 वर्षीय हर्ष कुमार की मौत हो गई। हर्ष त्योहारी सीजन में अपने परिवार के साथ उरगा थाना क्षेत्र के अमलडीहा गांव से रिश्तेदार लक्ष्मी मन्नेवार के घर आया था। हादसा बाजार नीचे पुराना नवधा चौक के पास हुआ। रविवार सुबह हर्ष घर के आंगन में खेल रहा था। करीब 8 बजे लक्ष्मी मन्नेवार रोज की तरह दुकान जाने के लिए ऑटो निकाल रहे थे। इसी दौरान खेलते हुए हर्ष दौड़कर ऑटो के पास पहुंच गया और उसकी चपेट में आ गया। चीख सुनकर परिजनों की नजर पड़ी तो हर्ष गंभीर हालत में ऑटो के पास पड़ा था। परिजन उसे स्थानीय निजी क्लीनिक लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित

स्कूल प्रिंसिपल ने बनाया चोरों का गैंग टारगेट में सूने मकान, 10 घरों में की चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्कूल प्रिंसिपल ने चोरों का गैंग बनाया, फिर कृषि अधिकारी बनकर सर्वे के नाम पर सूने मकानों को टारगेट करते थे। सर्वे करने की बात कहते और मौका मिलते ही सूने मकानों में चोरी की वारदात को अंजाम देते थे।

पुलिस ने 10 चोरियों का खुलासा करते हुए मास्टरमाईंड समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से सोने-चांदी के गहने, 1.30 लाख रुपए कैश, चोरी की रकम से खरीदी गई क्रेटा कार और बुलेट समेत करीब 20 लाख का सामान बरामद किया है। मामला कोटा थाना इलाके का है।

एडिशनल एसपी ग्रामीण मधुलिका सिंह ने बताया कि, ग्रामीणों को शक न हो, इसलिए आरोपियों का गैंग सामान्य लोगों की तरह गांवों में घूमता और सूने घरों की रेकी करता था। मकान में ताला लगा दिखते ही उसे तोड़कर भीतर घुसते और चंद मिनट में जेवर-कैश समेटकर फरार हो जाते थे।

बिलासपुर जिले के ग्रामीण थाना इलाके में दिनदहाड़े हुई चोरी की घटनाओं की जांच में पुलिस के सामने यह तरीका सामने आया। कोटा पुलिस और एसीसीयू



की संयुक्त टीम ने कोरबा के 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर 10 मामलों का खुलासा किया है। इनमें बिलासपुर जिले के 9 और कोरबा जिले के पाली थाना क्षेत्र का एक मामला शामिल है।

एसीसीयू प्रभारी गोपाल सतपथी ने बताया कि, गिरोह का मास्टरमाईंड विनोद कुमार वासुदेव है। वह ग्रेजुएट है और लोगों की नजर में सामान्य कारोबारी बने रहने के लिए उसने जूते की दुकान खोल रखी थी। दूसरा आरोपी भूपेंद्र सिंह राठौर पोस्ट-ग्रेजुएट है। पहले स्कूल में प्रिंसिपल के पद पर काम कर चुका है। नौकरी से निकाले जाने के बाद उसने चोरी की वारदातों को अंजाम देने लगा। तीसरा आरोपी राज प्रजापति उर्फ लल्लू है।

दिन में करते चोरी, आउटर के घरों को बनाते निशाना

आरोपियों की पहचान विनोद कुमार वासुदेव (33), भूपेंद्र सिंह राठौर उर्फ गुरुजी (43) और राज प्रजापति उर्फ लल्लू (19) के रूप में हुई है। तीनों कोरबा जिले के मानिकपुर क्षेत्र के डिपरापारा के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, वे बाइक से ग्रामीण इलाकों में घूमते थे। खेती-किसानी के काम से ग्रामीणों के घरों से बाहर रहने का समय उनके लिए वारदात का मौका बनता था। आउटर में बने मकानों की निशाना बनाकर वे ताला तोड़ते और पेटी-अलमारी में रखे जेवर-कैश चोरी कर लेते थे। आरोपी सीसीटीवी कैमरों की नजर में आने से बचने की कोशिश करते थे। वे

चेहरा ढककर और हेलमेट पहनकर वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के फुटेज और बाकी सबूतों के आधार पर तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तब उन्होंने वारदातों में शामिल होना स्वीकार किया। जांच में सामने आया कि विनोद ने चोरी की रकम से क्रेटा कार खरीदी थी और उसकी किस्तें भी उसी रकम से चुकानी की बात कही। वहीं, राज प्रजापति ने चोरी के पैसों से अपने चाचा के नाम पर बुलेट खरीदी थी।

बिलासपुर जिले के कोटा, रतनपुर, बिल्हा, पचपड़ी और बेलगहना चौकी क्षेत्र सहित ग्रामीण इलाकों में हुई चोरियों की जांच के दौरान इन आरोपियों की भूमिका सामने आई। कोरबा जिले के पाली थाना क्षेत्र का एक मामला भी सुलझाया गया है। एएसपी सिंह ने बताया कि, आरोपियों के कब्जे से लाखों के सोने-चांदी के आभूषण, 1.30 लाख रुपए कैश, गुल्लक के 1,250 रुपए के सिक्के और चोरी की रकम से खरीदी गई क्रेटा कार और बुलेट सहित करीब 20 लाख रुपए का सामान जब्त किया गया है। आरोपियों के पास से एक बाइक भी जब्त की गई है। तीनों पहले भी जांजीगर जिले में दिनदहाड़े चोरी के मामलों में जेल जा चुके हैं। उनके खिलाफ वहां साल 2022-23 में दर्ज 19 प्रकरणों का अपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है।

पुलिस की बड़ी लापरवाही, पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल में आराम फरमाता मिला दुष्कर्म का आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के चर्चित दुष्कर्म मामले में पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। शादी का झंसा देकर दुष्कर्म का आरोपी पवन महतो पुलिस अभिरक्षा में मेडिकल कॉलेज अस्पताल के स्पेशल वार्ड में मोबाइल पर बात करते और गुटखा खाते आराम फरमाता मिला।

आरोपी पर अडानी पावर प्लांट में कार्यरत होना बताया जा रहा है। उस पर एक विधवा



महिला से शादी का झंसा देकर लगातार दैहिक शोषण करने का आरोप है। 8 अक्टूबर को एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने उसे पकड़ा, लेकिन

जगह स्पेशल वार्ड में रखा गया है, जहां वह खुलेआम मोबाइल इस्तेमाल कर रहा है। मौके पर दो आरक्षक तैनात हैं, लेकिन सुविधा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले में सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी का कहना है कि आरोपी टेक्निकली गिरफ्तार नहीं था, भाग न जाए इसलिए द्यूटी लगाई गई थी। तबीयत खराब होने पर भर्ती कराया गया है, डिस्चार्ज होते ही वैधानिक कार्यवाही होगी। आरक्षकों की लापरवाही पर एसपी स्तर से जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

संदल जुलूस में 11 चाकू और 350 कड़े जब्त

रायपुर। रायपुर में बंजारी दरगाह उर्स के दौरान निकले संदल जुलूस में पुलिस ने 11 चाकू और 350 से ज्यादा धातु के कड़े जब्त किए। कड़ों का कुल वजन करीब 45 किलो बताया गया है। पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। जबकि, 9 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक, उर्स के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संदल जुलूस में शामिल संदिग्ध लोगों की जांच की गई। इस दौरान 50 से ज्यादा लोगों को थाने लाकर पूछताछ और जांच की गई।

इनमें से 9 लोगों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170, 126 और 135(3) के तहत कार्रवाई की गई। सभी को विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट, सिटी कोतवाली के सामने



पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। जांच अभियान के दौरान पुलिस ने हाथ में पहनने वाले 350 से ज्यादा धातु के कड़े जब्त किए। इनका कुल वजन करीब 45 किलो है। इसके अलावा 11 चाकू भी बरामद किए गए। इनमें से एक मामले में आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तारी की गई, जबकि अन्य मामलों में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

नेशनल हाईवे पर ट्राला-पिकअप में भिड़ंत, चालक अंदर फंसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में जगदलपुर-बीजापुर नेशनल हाईवे 63 पर बास्तानाद घाट में ट्राला और पिकअप के बीच आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई है। हादसे के बाद ट्राला चालक पर पलट गया। ट्राला ढलान पर अनियंत्रित हो गया और सामने से आ रही पिकअप से उसकी भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद ट्राला चालक के वाहन में फंस गया था। कड़ी मशकत के बाद उसे बाहर निकाल लिया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही कोड़ेनार थाना प्रभारी विजय पटेल पुलिस स्टॉफ



के साथ मौके पर पहुंचे। मार्ग से गुजर रहे लोगों के साथ मिलकर पुलिस की टीम ने घायलों को सुरक्षित निकाला। हादसे में घायल कुछ लोगों को अस्पताल भेजे जाने की जानकारी भी सामने आई है। हालांकि, घायलों की संख्या और

डियो स्कूटी क्रमांक छत 24 डू 7412 की डिकी में अवैध नशीली दवाइयां रखकर बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नियमानुसार तलाशी की कार्रवाई की। तलाशी के दौरान स्कूटी की डिकी में लाल पॉलीथीन में रखी TraiSPAS की 449 कैप्सूल बरामद की गई। इनका कुल वजन 255.930 ग्राम और कीमत लगभग 2,918.50 रुपये बताई गई है। 10 अक्टूबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि सुशील कुमार आर्य उर्फ साई, निवासी टिकरापारा, बालोद, अपनी काले रंग की होंड

में दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने से टक्कर हो गई है। एनएच-63 के बीच हादसा होने की वजह से कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस मौके पर यातायात बहाल कराने और राहत कार्य में जुटी। जिसके बाद एक-एक कर वाहनों को निकाला गया। थाना प्रभारी विजय पटेल ने बताया कि जो ट्राला चालक फंसा था उसे बाहर निकाल लिया गया है। गंभीर रूप से घायल है। जिसे अस्पताल रेफर किया गया है। मार्ग भी बहाल हो गया है।

NAME CHANGE	नाम परिवर्तन
It is informed to the general public that I SUSHIL KUMAR BAGH S/O LATE BHRA-MAR BAGH, Resident of 19/K, RISALI SECTOR, BHILAI DIST-DURG (C.G.) 490006 have changed my old name SUSHIL KUMAR BAGH S/O LATE BHRA-MAR BAGH so in future I should be recognized by my new name that is SUSHIL KUMAR BAGH S/O LATE BHRAMAR BAGH, in all government and other documents.	सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सुशील कुमार बाघ पिता स्व. भ्रमर बाघ निवासी-19/के, रिसाली सेक्टर, भिलाई, तह. व जिला दुर्ग छ.ग. 490006 यह शपथ करता हूँ कि मैंने अपना यह पुराना नाम को त्यागकर नया नाम सुशील कुमार बाघ पिता स्व. भ्रमर बाघ रख लिया हूं अतः आज से मेरे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय, व अन्य दस्तावेजों मे मेरे नये नाम सुशील कुमार बाघ पिता स्व. भ्रमर बाघ, से ही जाना, पहचाना जाएगा।
NAME-SUSHIL KUMAR BAGH S/O- LATE BHRA-MAR BAGH, Resident of 19/K, RISALI SECTOR, BHILAI DIST-DURG (C.G.) 490006	नाम- सुशील कुमार बाघ पिता र्शी स्व. भ्रमर बाघ निवासी-19/के, रिसाली सेक्टर, भिलाई, तह. व जिला दुर्ग छ.ग. 490006

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

पुलिस की कार्रवाई, लापता तीन बच्चियों को 12 घंटे के भीतर खोज निकाला



श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में शनिवार को घर से लापता तीन बच्चियों को पुलिस ने सूचना के 12 घंटे के भीतर खोजकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली अलग अलग पांच टीमों ने तत्काल तलाश प्रारंभ की।

शनिवार को थाना जामुल को सूचना प्राप्त हुई कि तीन बच्चियाँ अपने घर से कहीं चली गई हैं। सूचना की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए थाना जामुल पुलिस एवं एससीयू की टीम द्वारा तत्काल बच्चियों की तलाश प्रारंभ की गई। बच्चियों की शीघ्र एवं सुरक्षित दस्तयाबी के लिए पुलिस द्वारा पांच टीमें गठित कर अलग-अलग दिशाओं में तलाश की गई। विभिन्न मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का लगातार विश्लेषण किया गया। आसपास के क्षेत्रों में जांच, स्थानीय लोगों से पूछताछ तथा

रेलवे स्टेशन सहित संभावित स्थानों पर चेकिंग की गई।

पुलिस टीमों के लगातार प्रयासों, आपसी समन्वय एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तीनों बच्चियों को 12 घंटे से कम समय में सकुशल दस्तयाब कर लिया गया। आवश्यक प्रक्रिया के उपरांत बच्चियों को उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

इस कार्रवाई में थाना जामुल की महिला रक्षा टीम एवं एससीयू की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तीनों बच्चियों की सुरक्षित दस्तयाबी के लिए थाना जामुल पुलिस, एससीयू एवं महिला रक्षा टीम द्वारा समन्वित रूप से किए गए प्रयासों के शीघ्र एवं सुरक्षित दस्तयाबी के लिए पुलिस द्वारा पांच टीमें गठित कर अलग-अलग दिशाओं में तलाश की गई। विभिन्न मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का लगातार विश्लेषण किया गया। आसपास के क्षेत्रों में जांच, स्थानीय लोगों से पूछताछ तथा

पुलिस टीमों द्वारा लगातार सीसीटीवी फुटेज खंगालना, संभावित स्थानों पर जांच करना, रेलवे स्टेशन पर चेकिंग एवं स्थानीय लोगों से पूछताछ करना इस कार्रवाई के प्रमुख आधार रहे।



सौर ऊर्जा से सशक्त छत्तीसगढ़

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़



95,000+
घर सौर ऊर्जा
से रोशन



310 मेगावाट
अतिरिक्त सोलर बिजली
क्षमता राज्य में स्थापित



₹525 करोड़+
की सब्सिडी सीधे
हितग्राहियों तक

घर की छत पर 3 किलोवाट तक के सौर ऊर्जा
संयंत्र स्थापित करने पर केंद्र और राज्य
सरकार की **डबल सब्सिडी** का लाभ



अधिक जानकारी के लिए
QR कोड स्कैन करें



घरेलू उपयोग से बची अतिरिक्त बिजली ग्रिड के
माध्यम से बेचने की सुविधा, बचत के साथ
आर्थिक लाभ



QR स्कैन करें



f X @ /ChhattisgarhCMO
f X /DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

सुशासन से समृद्धि की ओर